JK

Roll No. ______________________

O.M.R. Serial No. : | | | | | | | |

Question Booklet Number

M.A. IV- Semester (NEP) Examination, 2025-26

SANSKRIT

ऋग्वैदिक संवादसूक्त एवं निरुक्त (वेद वर्ग)

(Elective)

Question Booklet Series
C

Paper Code							
A	0	2	1	0	0	5	T

Time : 1 : 30 Hours] **[Maximum Marks : 75**

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. **All** questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as – A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on the last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गये हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C तथा D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

Rough Work

रफ कार्य

1. ध्रुव दर्शन किस संस्कार की एक क्रिया है?
   (A) विवाह संस्कार
   (B) निष्क्रमण संस्कार
   (C) जातकर्म संस्कार
   (D) पुंसवन संस्कार
2. प्रोष्यकर्म किस संस्कार का अंग है-
   (A) नामकरण
   (B) जातकर्म
   (C) निष्क्रमण
   (D) सीमन्तोन्नयन
3. स्विष्टकृत् आहुति को अन्य नाम से भी जाना जाता है-
   (A) प्रायश्चित आहुति
   (B) प्राजापत्याहुति
   (C) आज्याहुति
   (D) हव्याहुति
4. अन्नप्राशन संस्कार का उचित समय माना गया है-
   (A) जन्म से तीन माह बाद
   (B) जन्म से छठे मास से
   (C) जन्म से आठवें मास में
   (D) जन्म से एक वर्ष पश्चात
5. जातकर्म संस्कार का अन्य नाम है-
   (A) चूड़ाकर्म
   (B) सोष्यन्ती कर्म
   (C) जरानिवारण कर्म
   (D) द्रोणकर्म
6. सीमन्तोन्नयन संस्कार में प्रयुक्त स्थालीपाक में क्या प्रयुक्त नहीं होता है-
   (A) तिल
   (B) मूंग
   (C) चावल
   (D) मधु
7. पुंसवन संस्कार का विहित काल है-
   (A) गर्भ के द्वितीय व तृतीय मास में
   (B) गर्भ के अष्टम मास में
   (C) बच्चे के जन्म के बाद
   (D) जन्म के छः मास पश्चात
8. मूर्धाभिषेचन क्रिया में करणीय है-
   (A) आशीर्वाद प्रदान
   (B) जल सिंचन
   (C) सिन्दूर दान
   (D) तिलक
9. लाजाहोम में विशेष आहुतियाँ होती हैं-
   (A) धान की खीलों की
   (B) घृत की
   (C) हवन सामग्री की
   (D) समिधा की
10. विवाह संस्कार के अन्तर्गत निम्न में कौन सा होम करणीय है?
   (A) जया होम
   (B) अभ्यातन होम
   (C) राष्ट्रमृत होम
   (D) उपर्युक्त सभी

11. पारस्कर गृह्यसूत्रों का महत्व है-

(A) धर्मशास्त्रीय

(B) सामाजिक व्यवहार

(C) सांस्कृतिक

(D) उपर्युक्त सभी

12. पारस्कर गृह्यसूत्र के अनुसार कौन-सा अर्ध्य पुरूष है?

(A) राजा

(B) ऋत्विक

(C) स्नातक

(D) उपर्युक्त सभी

13. सीमन्तोन्नयन संस्कार गर्भ के किस मास में किया जाता है?

(A) छठे मास में

(B) पाँचवें मास में

(C) सातवें मास में

(D) नौवें मास में

14. पारस्कर के वर्ण्य विषय में सम्मिलित है-

(A) शिक्षण सम्बन्धी विधि

(B) सामाजिक शिष्टाचार

(C) स्वास्थ्य/चिकित्सा

(D) उपर्युक्त सभी

15. पारस्कर गृह्यसूत्र का प्रयोजन है-

(A) यज्ञ करना एवं कराना

(B) शाला निर्माण

(C) मनुष्य को संस्कारवान् बनाना

(D) कर्म-काण्ड मात्र

16. महायज्ञों में कौन-सा सम्मिलित नहीं है-

(A) राजयज्ञ

(B) ब्रह्मयज्ञ

(C) नृयज्ञ

(D) देवयज्ञ

17. निम्नलिखित कथनानुसार सही विकल्प छॉटिये-

(a) पारस्कर गृह्यसूत्र मुख्यतः शुक्ल यजुर्वेद से सम्बद्ध है।

(b) इसमें यज्ञीय विधि-विधान मात्र का वर्णन है।

(c) यह माध्यन्दिन एवं काण्व दोनों शाखाओं का एकमात्र गृह्यसूत्र है।

(d) इसमें जीवन से सम्बद्ध संस्कारों, शालाकर्म आदि का सविस्तार वर्णन है।

(A) a,b और c सही हैं।

(B) a,c और d सही हैं।

(C) b,c और d सही हैं।

(D) a,b,c और d सही हैं।

18. 'सुभङ्गलीरियं वधूरिमां समेत पश्यत ....' यह है-

    (A) सूर्यदर्शन मन्त्र

    (B) उपवेशन मन्त्र

    (C) अभिमन्त्रण मन्त्र

    (D) ग्रामवचन

19. आलभते पद का सही निर्वचन है-

    (A) आ + लभ् धातु लट् लकार

    (B) आ + लभ् धातु लिट् लकार

    (C) आ + लभ् धातु लोट् लकार

    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. निम्नांकित में से कौन-सा कथन सत्य है?

    (A) महायज्ञों का अपर नाम महासत्र है

    (B) पाकयज्ञ चार प्रकार के हैं

    (C) बौधायन गृह्यसूत्र में पाकयज्ञ तीन प्रकार के हैं

    (D) पारस्कर गृह्यसूत्र में पाकयज्ञों का वर्णन नहीं

21. पारस्कर गृह्यसूत्र के वचनों से सजल अङ्ग स्पर्श करने का विधान किया हैं-

    (A) आचार्य सायण ने

    (B) महर्षि दयानन्द सरस्वती ने

    (C) आचार्य महीधर ने

    (D) महर्षि याज्ञवल्क्य ने

22. पारस्कर गृह्यसूत्र में अर्ध्य पुरूष वर्णित हैं-

    (A) तीन

    (B) पाँच

    (C) छः

    (D) सात

23. श्रुति के अनुसार महायज्ञों की संख्या है-

    (A) तीन

    (B) पाँच

    (C) सात

    (D) दस

24. गृह्य अग्नि का स्थापन करने का समय होता है-

    (A) बालक के जन्म पर

    (B) उपनयन

    (C) विवाह

    (D) किसी भी समय

25. गृह्याग्नि को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

    (A) शालाग्नि

    (B) औपासनाग्नि

    (C) आवसध्याग्नि

    (D) उपर्युक्त सभी

26. पारस्कर गृह्यसूत्र के प्रणेता हैं-

(A) महर्षि पारस्कार

(B) महर्षि भारद्वाज

(C) महर्षि गौतम

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. पारस्कर गृह्यसूत्र का प्रमुख वर्ण्य-विषय है-

(A) आयुर्वेदिक चिकित्सा

(B) दर्शन सम्बन्धी विचार

(C) गृह्यसंस्कार

(D) यज्ञीयकर्म विधि

28. पारस्कर गृह्यसूत्र में प्राप्त कुल काण्ड हैं-

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

29. पारस्कर गृह्यसूत्र का सम्बन्ध है-

(A) यजुर्वेद से

(B) सामवेद से

(C) ऋग्वेद से

(D) अथर्ववेद से

30. वेद पुरूष के हस्ततुल्य कहा गया है-

(A) शिक्षा को

(B) कल्प को

(C) निरूक्त को

(D) छन्द को

31. यास्क का व्युत्पत्तिशास्त्र किस आधुनिक शास्त्र से सामीप्य रखता है?

(A) भौतिक विज्ञान

(B) सामाजिक विज्ञान

(C) भाषाविज्ञान

(D) मनोविज्ञान

32. 'उषस्' का निरूक्तीय विश्लेषण किस प्रक्रिया को दर्शाता है?

(A) सृजन एवं जागरण

(B) स्थूलता

(C) स्थिरता

(D) संकुचन एवं विनाश

33. यास्क के मत में देवता-व्युत्पत्ति में 'नैमित्तिकता का क्या अभिप्राय है?

(A) परम्परा

(B) कर्म एवं गुण पर आधारित कारण

(C) ध्वनि-साम्य

(D) इनमें से कोई नहीं

34. 'रूद्र' का व्युत्पत्तिपरक अर्थ है-

(A) रक्षक

(B) रूलाने वाला

(C) सुखदाता

(D) सृष्टिकर्ता

35. 'पृथिवी' शब्द की व्युत्पत्ति किस भाव को प्रकट करती है?

(A) विस्तार

(B) संकीर्णता

(C) शुष्कता

(D) विनाश

36. निरूक्त में देवताओं की व्याख्या का प्रमुख उद्देश्य है-

(A) इतिहास लेखन

(B) छन्द निर्मिति

(C) शब्दार्थ का स्पष्टीकरण

(D) कथा-वर्णन

37. निरूक्त में 'इन्द्र' शब्द की व्याख्या का आधार है-

(A) दैवी शक्ति का प्रतीक

(B) छन्दात्मक स्वरूप

(C) केवल ऐतिहासिक

(D) भौतिक शक्तिस्वरूप

38. यास्क के मतानुसार 'अग्नि' शब्द की व्युत्पत्ति किस धातु से मानी जाती है?

(A) दा

(B) भू

(C) गम्

(D) अङ् (गत्यर्थक)

39. निघण्टु में सर्वाधिक पर्याय हैं-

(A) जल के

(B) नदी के

(C) अश्व की

(D) वाक् के

40. यास्काचार्य के अनुसार चतुर्थ पदविभाग है-

(A) नाम

(B) धातु

(C) निपात

(D) संज्ञा

41. निरूक्त में उपसर्गों की कुल संख्या बतायी है-

(A) 16

(B) 22

(C) 20

(D) 18

42. निरूक्त के अनुसार भावविकारों की कुल संख्या है-

(A) पाँच

(B) छः

(C) सात

(D) तीन

43. सत्वप्रधान है-

(A) नाम

(B) आख्यात

(C) निपात

(D) उपसर्ग

44. क्रिया (धातु) की संज्ञा है-

(A) उपसर्ग

(B) आख्यात

(C) निपात

(D) नाम

45. वैदिक शब्दों का प्राचीनतम कोश है-

(A) निरूक्त

(B) निघण्टु

(C) अष्टाध्यायी

(D) महाभारत

46. 'निघण्टु' में कुल अध्याय हैं-

(A) पाँच

(B) छः

(C) सात

(D) आठ

47. निम्नलिखित में से कौन किसके साथ सम्बन्ध है? सही विकल्प का चयन कीजिये-

	सूची-I		सूची-II
(a)	निरूक्त	(1)	वर्णोच्चारण विधि
(b)	व्याकरण	(2)	वैदिक पदों का निर्वचन
(c)	छन्द	(3)	प्रकृति-प्रत्यय विचार
(d)	शिक्षा	(4)	वृत्त-ज्ञान

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	4	1	3	2
(C)	3	2	4	1
(D)	2	3	4	1

48. यास्क के मतानुसार स्थानभेद से कितने प्रकार के देवता हैं?

(A) द्विविध

(B) त्रिविध

(C) पंचविध

(D) दशविध

49. 'निपात' का तात्त्विक स्वरूप है-

(A) वाचक

(B) द्योतक

(C) धातु

(D) प्रत्यय

कथन (Assertion) कारण (Reason) सम्बन्धी प्रश्न (प्र.50)

निर्देश (A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(C) (A) सही है, (R) गलत

(D) (A) गलत, (R) सही

50. (A) 'उपसर्ग' धातु के साथ जुड़ते हैं।

(R) वे प्रत्यय के समान होते हैं।

कथन (Assertion) कारण (Reason) सम्बन्धी प्रश्न (प्र.51-53)

निर्देश (A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा R,A की सही व्याख्या है।

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा R,A की सही व्याख्या नहीं है।

(C) (A) सही है, (R) गलत

(D) (A) गलत, (R) सही

51. (A) व्युत्पत्ति और प्रयोग में विरोध होने पर प्रयोग को प्राथमिकता दी जाती है।

(R) व्युत्पत्ति सदैव व्यावहारिक अर्थ नहीं प्रदान करती।

52. (A) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध नित्य है।

(R) शब्द केवल ध्वनि है।

53. (A) 'निपात' पूर्णतः अर्थबोधक होते हैं।

(R) वे स्वतन्त्ररूपेण अर्थ व्यक्त करते हैं।

54. दुर्गाचार्य ने कितने निरूक्तकारों का उल्लेख किया है?

(A) 9

(B) 10

(C) 13

(D) 14

55. यास्क का दृष्टिकोण किस सिद्धान्त के निकट है?

(A) ध्वनिवाद

(B) अर्थनित्यत्व

(C) शब्दनित्यत्व

(D) शब्दानित्यत्व

56. निरूक्त में व्युत्पत्ति का लक्ष्य क्या है?

(A) अर्थ उद्घाटन

(B) ध्वनि विश्लेषण

(C) रूप निर्माण

(D) लिंग निर्धारण

57. यास्काचार्य ने निरूक्त में कुल कितने निरूक्तकारों का उल्लेख किया है?

(A) दस

(B) बारह

(C) चौदह

(D) पन्द्रह

58. निरूक्त को कितने काण्डों में विभाजित किया गया है?

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

59. वेद पुरूष में निरूक्त का विधान किस अङ्ग के रूप में किया गया है?

(A) नेत्र

(B) मुख

(C) श्रोत्र

(D) पाद

60. निरूक्त में कुल कितने अध्याय हैं?

(A) 12

(B) 13

(C) 14

(D) 15

61. कथन : षडङ्गों में व्याकरण प्रधान है।

कारणः इसमें वर्णोच्चारण विधि का वर्णन मिलता है।

सही विकल्प छॉटिये-

(A) कारण असत्य, कथन सत्य

(B) कथन असत्य, कारण सत्य

(C) कथन व कारण दोनों सत्य हैं

(D) कथन और कारण दोनों असत्य हैं

62. निरूक्त में प्रयुक्त विधि है-

(A) निर्वचन

(B) व्युत्पत्ति

(C) संधि

(D) वर्णोत्पत्ति

63. निरूक्त के अनुसार शब्द और अर्थ का सम्बन्ध है-

(A) नित्य

(B) अनित्य

(C) अल्पकालिक

(D) अस्थिर

64. यास्क के अनुसार शब्द कितने प्रकार के हैं?

(A) तीन

(B) चार

(C) पाँच

(D) छः

65. निरूक्त का बारहवाँ अध्याय मुख्यतः किससे संबंधित है-

(A) देवता

(B) छन्द

(C) निघण्टु

(D) शब्द व्युत्पत्ति

66. निरूक्तकार की दृष्टि में वाणी का प्रयोजन है-

(A) ध्वनिज्ञान

(B) शब्दपरिज्ञान

(C) अर्थपरिज्ञान

(D) इनमें से कोई नहीं

67. कौन से वेदाङ्ग के बिना वेद के अर्थ को समझना संभव नहीं है?

(A) शिक्षा

(B) निरूक्त

(C) छन्द

(D) ज्योतिष

68. वेदाङ्गों की कुल संख्या है-

(A) चार

(B) छः

(C) आठ

(D) दस

69. निरूक्त के रचनाकार हैं-

(A) यास्क

(B) पाणिनि

(C) कात्यायन

(D) पतंजलि

70. ''अथापीदमन्तरेण मन्त्रेष्वर्थप्रत्ययो न विद्यते ''किसका कथन है?

(A) महर्षि व्यास

(B) महर्षि वाल्मीकि

(C) यास्काचार्य

(D) पतञ्जलिमुनि

71. विश्वामित्र-नदी संवाद सूक्त में मानव और प्रकृति का सम्बन्ध है-

(A) सह-अस्तित्व

(B) परस्पर उपेक्षा

(C) विरोध का

(D) अधीनता का

72. संवादसूक्तों को किस प्रकार की रचना कहा जा सकता है?

(A) ऐतिहासिक

(B) दार्शनिक

(C) काव्यात्मक

(D) वैज्ञानिक

73. पर्यावरण के संदर्भ में इस सूक्त का महत्व है-

(A) संसाधनों का समुचित दोहन

(B) प्रकृति से संघर्ष

(C) उद्योगों का विकास

(D) पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन

74. आरंभ में नदियाँ मार्ग देने को क्यों संकोच करती हैं?

(A) अज्ञानतावश

(B) क्रोध के कारण

(C) भय के कारण

(D) स्वाभाविक प्रवाह के कारण

75. इस सूक्त में नदियों का स्वरूप चित्रित किया गया है-

(A) जड़ तत्व

(B) स्वतन्त्रत चेतन शक्तियाँ

(C) दास रूप में

(D) मानव शत्रु रूप में

76. इस सूक्त में नदी प्रतीक है-

(A) ज्ञान का

(B) प्रवाहमान जीवन का

(C) बाधाओं का

(D) मृत्यु का

77. विश्वामित्र-नदी संवादसूक्त का छन्द है-

(A) जगती

(B) अनुष्टुप्

(C) त्रिष्टुप्

(D) गायत्री

78. इस सूक्त में किन नदियों का उल्लेख प्रमुखता से मिलता है?

(A) शुतुद्री-विपाशा

(B) सिंधु-सरस्वती

(C) गंगा-यमुना

(D) इनमें से कोई नहीं

79. इस संवादसूक्त के ऋषि है-

(A) भारद्वाज

(B) वशिष्ठ

(C) कण्व

(D) विश्वामित्र

80. विश्वामित्र-नदी संवाद सूक्त ऋग्वेद के किस मंडल में प्राप्त होता है?

(A) प्रथम

(B) तृतीय

(C) सप्तम

(D) दशम

81. सरमा-पणि संवाद में पणि किसका प्रतीक है?

(A) अज्ञान/लोभ का

(B) ज्ञान का

(C) प्रकाश का

(D) धर्म का

82. सभी संवाद सूक्तों की शैली है-

(A) कथात्मक

(B) वर्णनात्मक

(C) संवादात्मक

(D) विश्लेषणात्मक

83. ऋग्वैदिक संवाद-सूक्तों का मुख्य उद्देश्य है-

(A) युद्ध वर्णन

(B) नैतिक एवं चारित्रिक ज्ञान

(C) मनोरंजन मात्र

(D) यज्ञीय शिक्षा

84. संवादसूक्तों को किसकी पूर्वपीठिका कहा जा सकता है?

(A) नाटक

(B) महाकाव्य

(C) चम्पूकाव्य

(D) नीतिकाव्य

85. 'सरमा-पणि' संवाद में सरमा का सम्बन्ध किस ऋग्वैदिक देवता से है?

(A) इन्द्र

(B) वरूण

(C) अग्नि

(D) उषा

86. सरमा- पणि संवाद में पणि कौन है?

(A) राजा

(B) ऋषि

(C) दानव/दस्यु

(D) देवता

87. इस सूक्त में यम का दृष्टिकोण है-

(A) शिक्षा

(B) धर्म

(C) काम

(D) युद्ध

88. यम-यमी संवादसूक्त किस प्रकार का उदाहरण है?

(A) प्रेम

(B) नैतिकता

(C) शिक्षा

(D) युद्ध

89. पुरूरवा-उर्वशी संवाद सूक्त के विषय में उपयुक्त कथन छाँटिये -

(A) इस सूक्त में मन्त्रों की संख्या 18 है

(B) इसमें पुरूरवा और उर्वशी दोनों के कथन प्राप्त होते हैं

(C) विष्णु पुराण और महाभारत आदि में इस कथा का उल्लेख मिलता है

(D) उपर्युक्त सभी

90. पुरूरवा-उर्वशी संवाद में उर्वशी राजा को निर्ममता के साथ छोड़कर चली जाती है। इसमें कारण था-

(A) राजा का क्रोध

(B) प्रतिज्ञा-भंग करना

(C) यज्ञ

(D) युद्ध

91. ऋग्वैदिक संवाद सूक्तों की कुल संख्या है-

(A) 5

(B) 10

(C) 20

(D) 25

92. संवादसूक्तों के विषय में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही नहीं है-

(A) इन सूक्तों में कथनोपकथन का प्राधान्य है

(B) ये सूक्त संस्कृत के प्रबन्धकाव्य तथा नाटकों का आधार हैं

(C) उपनिषदों के तत्त्व-विवेचन में इनका विशेष महत्व है

(D) ये सूक्त प्राचीन आख्यानों के अवशिष्ट रूप हैं, ऐसा कतिपय विद्वान मानते हैं

93. 'यम-यमी' संवाद का प्रमुख विषय है-

(A) युद्ध

(B) नैतिकता

(C) भक्ति

(D) सृष्टि-रचना

94. पुरूरवा- उर्वशी संवाद ऋग्वेद के किस मण्डल में प्राप्त होता है?

(A) 10

(B) 5

(C) 7

(D) 3

95. ऋग्वैदिक संवाद-सूक्तों का प्रमुखतः स्वरूप है-

(A) दार्शनिक सूक्त

(B) यज्ञ सम्बन्धी

(C) स्तुतिपरक

(D) संवादात्मक काव्य

96. विष्णु का परमपद है-

(A) आकाश

(B) हृदय

(C) अन्तरिक्ष

(D) भूलोक

97. ऋग्वेद में कुल कितने मण्डल हैं?

(A) 1017

(B) 64

(C) 10

(D) 8

98. ऋग्वेद की सूक्त-व्यवस्था निम्नलिखित में से किसके अनुसार है?

(A) प्रपाठक

(B) मण्डल

(C) सर्ग

(D) लम्बक

99. 'शाकल शाखा' से सम्बद्ध वेद है-

(A) अथर्ववेद

(B) सामवेद

(C) यजुर्वेद

(D) ऋग्वेद

100. 'यम-यमी' संवादसूक्त किस वेद में है?

(A) यथर्ववेद

(B) सामवेद

(C) ऋग्वेद

(D) अथर्ववेद

Rough Work

रफ कार्य

Example :

Question :

Q. 1

Q. 2

Q. 3

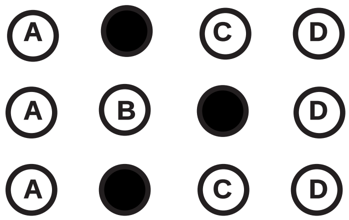

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.
6. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.
7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.
8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.
9. There will be no negative marking.
10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.
11. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.
12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question booklet, then after showing it to the invigilator, get another question booklet of the same series.

उदाहरण :

प्रश्न :

प्रश्न 1

प्रश्न 2

प्रश्न 3

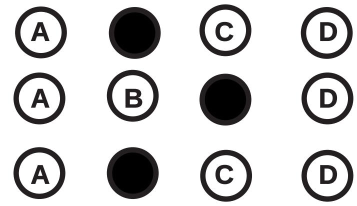

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
6. सभी उत्तर केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
7. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।
9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।
10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।
11. परीक्षा कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।
12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

महत्वपूर्ण : प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।